पाठ - कारतूस

पाठ्य पुस्तक प्रश्न

मौखिक

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-दो पंक्तियों में दीजिए-

प्रश्न 1. कर्नल कालिंज का खेमा जंगल में क्यों लगा हुआ था?

उत्तर: कर्नल कालिंज का खेमा जंगल में इसलिए लगा हुआ था ताकि वे वज़ीर अली को पकड़ सकें जिसने उनकी नाक में दम कर रखा है।

प्रश्न 2. वज़ीर अली से सिपाही क्यों तंग आ चुके थे?

उत्तर: वज़ीर अली से सिपाही इसलिए तंग आ चुके थे, क्योंकि वे लोग लंबे समय से जंगल में डेरा डाले हुए थे, पर वज़ीर अली उनकी पकड़ में नहीं आ रहा था। वह सबकी आँखों में धूल झोंककर उन्हीं जंगलों में रह रहा था। वह अपनी सूझ-बूझ से किसी के भी हाथ नहीं आ रहा था।

प्रश्न 3. कर्नल ने सवार पर नज़र रखने के लिए क्यों कहा?

उत्तर: कर्नल ने सवार पर नज़र रखने के लिए इसलिए कहा क्योंकि आने वाला सवार वज़ीर अली का कोई सैनिक या सहायक हो सकता है, या उसको पकड़वाने में मदद करने वाला कोई व्यक्ति हो सकता है।

प्रश्न 4. सवार ने क्यों कहा कि वज़ीर अली की गिरफ्तारी मुश्किल है?

उत्तर: सवार ने वज़ीर अली की गिरफ़्तारी मुश्किल है, ऐसा इसलिए कहा, क्योंकि वह सवार स्वयं वज़ीर अली था। वह एक जाँबाज़ सिपाही था। कर्नल ने उस सवार से कहा कि कंपनी का आदेश है कि वज़ीर अली को गिरफ्तार किया जाए। उसकी गिरफ़्तारी के लिए कर्नल के पास पूरा लावलश्कर था। इस पर सवार ने कहा कि उसकी गिरफ़्तारी बहुत मुश्किल है, क्योंकि वह एक जाँबाज़ सिपाही है।

लिखित

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (25-30 शब्दों में) लिखिए-

प्रश्न 1. वज़ीर अली के अफ़साने सुनकर कर्नल को रॉबिनहुड की याद क्यों आ जाती थी?

उत्तर: वज़ीर अली के अफ़साने सुनकर कर्नल को रॉबिनहुड की याद इसलिए आ जाती थी, क्योंकि-

- वज़ीर अली अत्यंत साहसी, वीर एवं चतुर व्यक्ति था।
- उसके मन में कंपनी-शासन और अंग्रेजों का भय न था।
- उसने कंपनी के वकील को उसके घर जाकर मार डाला था।
- पूरे लाव-लशकर के साथ जंगल में डेरा डालने पर भी वह कर्नल की आँखों में धूल झोकने में सफल हो रहा था।

प्रश्न 2. सआदत अली कौन था? उसने वज़ीर अली की पैदाइश को अपनी मौत क्यों समझा?

उत्तर: सआदत अली नवाब आसिफउद्दौला का छोटा भाई था। उसे आशा थी कि नवाब के घर कोई संतान तो होगी नहीं, इसलिए वह अवध का नवाब बन जाएगा, लेकिन वज़ीर अली का जन्म हुआ, तो सआदत अली को अपना भविष्य डूबता-सा नज़र आया, इसलिए उसने वज़ीर अली को अपनी मौत के समान समझा और वह उसका दुश्मन बन गया, क्योंकि अवध को वज़ीर अली के रूप में उत्तराधिकारी मिल गया था।

प्रश्न 3. सआदत अली को अवध के तख्त पर बिठाने के पीछे कर्नल का क्या मकसद था?
उत्तर: सआदत अली को अवध के तख्त पर बिठाने के पीछे कर्नल का मकसद यह था कि अवध पर अप्रत्यक्ष रूप से कब्जा करना। सआदत अली कायर तथा अवसरवादी व्यक्ति था जिसने अंग्रेजों से मित्रता कर ली। अंग्रेज़ उसे शासक बनाकर अवध की आधी संपत्ति और दस लाख रुपये तथा अन्य वस्तुएँ प्राप्त कर लिया।

प्रश्न 4. कंपनी के वकील का कत्ल करने के बाद वज़ीर अली ने अपनी हिफ़ाज़त कैसे की?
उत्तर: कंपनी के वकील का कत्ल करने के बाद वज़ीर अली जानिसारों सहित आज़मगढ की तरफ़ भाग गया। आजमगढ़ के शासक ने उसे अपनी हिफ़ाजत में घागरा पहुँचा दिया। इसके बाद उसका कारवाँ अंग्रेजों से बचने के लिए कई सालों तक जंगल में भटकता रहा।

प्रश्न 5. सवार के जाने के बाद कर्नल क्यों हक्का-बक्का रह गया ?
उत्तर: कर्नल के सामने अचानक यूँ आनेवाला सवार स्वयं वज़ीर अली था। कर्नल सोच भी नहीं सकता था कि वजीर अली इतनी निडरता से उसके सामने खेमे में आ जाएगा और वह कर्नल से कारतूस लेकर जान बख्श देने की बात कहकर चला जाएगा। वज़ीर अली का साहस और मौत के चंगुल से बचने के कारण वह हक्का-बक्का रह गया।

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (50-60 शब्दों में) लिखिए-
प्रश्न 1. लेफ्टीनेंट को ऐसा क्यों लगा कि कंपनी के खिलाफ़ सारे हिंदुस्तान में एक लहर दौड़ गई है?
उत्तर: लेफ्टीनेंट को ऐसा इसलिए लगा कि कर्नल के खिलाफ़ सारे हिंदुस्तान में एक लहर दौड़ गई है। क्योंकि-

1. दक्षिण भारत में टीपू सुल्तान अंग्रेज़ों को भगाने के लिए कटिबद्ध है। उसने अफगान शासक शाहे-जमा से मदद माँगी थी।
2. पूरब में बंगाल के नवाब का भाई शमसुद्दौला भी अंग्रेजों को पसंद नहीं करता है। उसने भी शाहे-जमा को आमंत्रित किया था।
3. अवध के पूर्व नवाब वजीर अली के मन में अंग्रेजों के विरुद्ध कूट-कूटकर नफ़रत भरी हुई है। वह शाहे-जमा के हमले के इंतजार में है ताकि शाहे-जमा का साथ देकर अंग्रेज़ों को भारत से खदेड़ सके।

प्रश्न 2. वज़ीर अली ने कंपनी के वकील का कत्ल क्यों किया?
उत्तर: वज़ीर अली को उसके पद से हटा कर बनारस भेज दिया गया और तीन लाख रुपये वार्षिक वज़ीफ़ा देना तय कर दिया गया। कुछ महीने बाद ही गवर्नर जनरल ने उसे कलकत्ता बुलाया। इसपर वज़ीर अली कंपनी के वकील के पास गया, जो बनारस में रहता था और उससे शिकायत की कि गवर्नर जनरल उसे कलकत्ता में क्यों बुला रहा है। वकील ने उसकी शिकायत की परवाह तक नहीं की, उलटा उसे ही बुरा-भला सुना दिया। अंग्रेज़ों के लिए वज़ीर अली के दिल में वैसे भी नफ़रत कूट-कूटकर भरी हुई थी, इसलिए उसने खंजर से वकील का काम तमाम कर दिया।

प्रश्न 3. सवार ने कर्नल से कारतूस कैसे हासिल किए?
उत्तर: सवार, जो अपनी जान की परवाह किए बिना कर्नल के खेमें में चला आया था, वह वज़ीर अली ही था। वजीर अली को कर्नल द्वारा डेरा डालने अपने साथ लाव-लशकर रखने की बात अच्छी तरह पता थी। उसने आते ही कर्नल से 'तनहाई ! तनहाई !' कहकर एकांत चाहा। कर्नल ने समझा कि यह वज़ीर अली के बारे में सूचना या उसकी गिरफ्तारी में मदद करने वाला कोई व्यक्ति होगा उसने वज़ीर अली को पकड़वाने के नाम पर कर्नल से दस कारतूस लिया और जान बख्शने की। बात कहता हुआ चला गया।

प्रश्न 4. वज़ीर अली एक जाँबाज़ सिपाही था, कैसे? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: वज़ीर अली का अपने शत्रु के खेमे में पहुँचकर उसे दो-दो हाथ करने की चुनौती देना एवं वकील की अपमानजनक बातों पर उसकी हत्या कर देना तथा देश की स्वतंत्रता के लिए अपनी जान न्योछावर करने से भी नहीं डरना आदि उसकी जाँबाज़ी के परिचायक हैं।

(ग) निम्नलिखित के आशय स्पष्ट कीजिए-

प्रश्न 1. मुट्ठी भर आदमी और ये दमखम।

उत्तर: मुट्ठी भर आदमी और ये दमखम-आशय है कि वज़ीर अली से अवध की सत्ता छिनने के बाद अब उसके साथ थोड़े से आदमी ही थे, जिनके सहारे अपने से कई गुना शक्तिशाली दुश्मनों (अंग्रेज़ों) और घर के भेदियों से मुकाबला करते हुए दुश्मनों की आँखों में धूल ही नहीं झोक रहा था बल्कि अपनी खोई सत्ता पाने के लिए प्रयासरत था। उसने कंपनी की हत्या करके अपना दमखम दिखा दिया था।

प्रश्न 2. गर्द तो ऐसे उड़ रही है जैसे कि पूरा एक काफ़िला चला आ रहा हो, मगर मुझे तो एक ही सवार' नज़र आता है।

उत्तर: इसका आशय है कि गर्द (धूल) तो ऐसे उड़ रही थी, मानों कोई काफ़िला आ रही हो, क्योंकि वज़ीर अली अकेला भी चलता था, तो उसके अदम्य साहस और विवेक पूर्ण ढंग से चलना ऐसे लगता था कि सेना सहित चला आ रहा हो। वज़ीर अली जब अपनी योजनाएँ बनाता था, तो इतनी सूझ-बूझ से बनाता था कि शत्रु को इसकी भनक भी नहीं पड़ती थी। किसी भी देशद्रोही अथवा धोखेबाज़ को वह ऐसा मौका नहीं देता था कि उसकी योजना या उसका पता शत्रु को बता सके इसलिए उसे कोई भी धोखा नहीं दे सका और न ही पकड़ सका। तभी तो दूर से आता हुआ वह अकेला घुड़सवार ही काफ़िले की तरह दिखाई दे रहा था।

भाषा अध्ययन

प्रश्न 1. निम्नलिखित शब्दों का एक-एक पर्याय लिखिए-

उत्तर:

1. खिलाफ - **विरुद्ध**
2. पाक - **पवित्र**
3. उम्मीद - **आशा**
4. हासिल - **मिलना (प्राप्त होना)**
5. कामयाब - **सफल**
6. वजीफा - **वृत्ति (परवरिश के लिए दी जाने वाली राशि)**
7. नफ़रत - **घृणा**
8. हमला - **आक्रमण**
9. इंतेज़ार - **प्रतीक्षा**
10. मुमकिन - **संभव**

प्रश्न 2. निम्नलिखित मुहावरों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

उत्तर:

1. वज़ीर अली अंग्रेजों की आँखों में **धूल झोंककर** चला गया।
2. सरदार भगत सिंह में देश भक्ति की भावना **कूट-कूट भरी** हुई थी।
3. पुलिस ने गोलियों से डाकुओं का **कामतमाम** कर दिया।

4. हे ईश्वर! मुझ अस्वस्थ की **जानबख्श** दो।
5. वज़ीर अली की चतुराई देखकर कर्नल **हुक्का-बक्का रह गया**।

प्रश्न 3. कारक वाक्य में संज्ञा या सर्वनाम का क्रिया के साथ संबंध बताता है। निम्नलिखित वाक्यों में कारकों को रेखांकित कर उनके नाम लिखिए-

उत्तर:

1. जंगल **की** जिंदगी बड़ी खतरनाक होती है। (संबंध कारक)
2. कंपनी **के** खिलाफ़ सारे हिंदुस्तान में एक लहर दौड़ गई। (संबंध कारक, अधिकरण कारक)
3. वज़ीर **को** उसके पद से हटा दिया गया। (कर्म कारक, आपादान कारक)
4. फौज **के लिए** कारतूस **की** आवश्यकता थी। (संप्रदान कारक, संबंध कारक)
5. सिपाही घोड़े **पर** सवार था। (अधिकरण कारक)

प्रश्न 4. नीचे दिए गए वाक्यों में 'ने' लगाकर उन्हें दुबारा लिखिए-

उत्तर:

1. घोड़े ने पानी पियो ।
2. बच्चों ने दशहरे का मेला देखा।
3. राबिनहुड ने गरीबों की मदद की।
4. देशभर के लोगों ने उसकी प्रशंसा की।

प्रश्न 5. निम्नलिखित वाक्यों में उचित विराम-चिह्न लगाइए-

उत्तर:

1. कर्नल ने कहा- "सिपाहियो! इस पर नज़र रखो, ये किधर जा रहे हैं?"
2. सवार ने पूछा- "आपने इस मकाम पर क्यों खेमा डाला है? इतने लावलश्कर की क्या ज़रूरत है?"
3. खेमे के अंदर दो व्यक्ति बैठे बातें कर रहे थे, चाँदनी छिटकी हुई थी और बाहर सिपाही पहरा दे रहे थे।

योग्यता विस्तार-

प्रश्न 1. पुस्तकालय से रॉबिनहुड के साहसिक कारनामों के बारे में जानकारी हासिल कीजिए।

उत्तर:

छात्र स्वयं करें।

रॉबिनहुड एक *लोकप्रिय ब्रिटिश लोकनायक* हैं, जिनकी कहानियाँ मध्यकालीन इंग्लैंड के नॉटिंघम के जंगलों, खासकर *शेरवुड फॉरेस्ट* में स्थापित हैं। ये कहानियाँ उनके साहस, न्यायप्रियता और अमीरों से लूटकर गरीबों की मदद करने के लिए प्रसिद्ध हैं। आप पुस्तकालय में या ऑनलाइन इनकी साहसिक गाथाओं से जुड़ी पुस्तकें खोज सकते हैं।

रॉबिनहुड के प्रमुख साहसिक कारनामे (संक्षिप्त विवरण):

1. **अमीरों से लूटकर गरीबों की मदद करना**
    - रॉबिनहुड अपने "मेरी मेन" साथियों के साथ मिलकर अत्याचारी अमीरों और भ्रष्ट अधिकारियों से धन लूटता था और उसे जरूरतमंदों को बांटता था।
2. **नॉटिंघम के शेरिफ से संघर्ष**

egyanarchive

- रॉबिनहुड का मुख्य शत्रु था नॉटिंघम का लालची और अन्यायी शेरिफ, जिससे रॉबिनहुड ने कई बार लोहा लिया और जनता को न्याय दिलाया।

3. **किंग रिचर्ड की मदद**
   - कहा जाता है कि रॉबिनहुड ने इंग्लैंड के राजा *रिचर्ड द लॉयनहार्ट* की वापसी में मदद की और देश के असली शासक का समर्थन किया।
4. **न्याय और बराबरी का पक्षधर**
   - वह जाति, वर्ग या लिंग के आधार पर भेदभाव नहीं करता था। उसके गिरोह में *मेड मैरियन, लिटिल जॉन, फ्रायर टक* जैसे साथी शामिल थे।

पुस्तकें जिनसे जानकारी ली जा सकती है (हिंदी या अंग्रेज़ी में):

1. **The Adventures of Robin Hood** – Howard Pyle
2. **Robin Hood and the Golden Arrow** – Traditional Tales
3. **रॉबिनहुड की कहानियाँ** – हिंदी में उपलब्ध लोककथाओं का संग्रह
4. **Illustrated Classics: Robin Hood** – बच्चों के लिए सरल भाषा में संस्करण

प्रश्न 2. वृंदावनलाल वर्मा की कहानी इब्राहिम गार्दी पढ़िए और कक्षा में सुनाइए।

उत्तर:

छात्र स्वयं करें।

वृंदावनलाल वर्मा की प्रसिद्ध कहानी **"इब्राहिम गार्दी"** एक *ऐतिहासिक पृष्ठभूमि* पर आधारित प्रेरणादायक कथा है, जो *वीरता, निष्ठा और बलिदान* का जीवंत चित्र प्रस्तुत करती है। यह कहानी विशेष रूप से स्कूल-कॉलेजों में पढ़ाई जाती है, क्योंकि यह राष्ट्रभक्ति और सेवा-भाव को उजागर करती है।

कहानी का संक्षिप्त सारांश:

"इब्राहिम गार्दी" एक *मुस्लिम सेनानायक* की वीर गाथा है, जो *मराठा सेना* में एक महत्वपूर्ण पद पर कार्यरत था।

- **पृष्ठभूमि:**
  कहानी *पानीपत की तीसरी लड़ाई* (1761) के समय की है, जहाँ *अहमद शाह अब्दाली* के विरुद्ध मराठा सेना लड़ रही थी। इब्राहिम गार्दी एक कुशल तोपची (तोप चलाने वाला) था, जिसने मराठा सेना के लिए अपनी पूरी जान लगा दी।
- **मुख्य घटनाएँ:**
  - युद्ध में जब मराठा सेना हार की ओर बढ़ रही थी, तब भी इब्राहिम गार्दी डटा रहा।
  - उसे दुश्मन ने पकड़ लिया और अमानवीय यातनाएँ दीं, लेकिन उसने *राज की बात नहीं बताई*
  - अंततः उसने अपने प्राणों की आहुति दी पर मराठा दल और उसकी निष्ठा से कभी भी विमुख नहीं हुआ।
- **भावात्मक पक्ष:**
  - कहानी यह सिखाती है कि *धर्म* से अधिक महत्वपूर्ण होती है *देशभक्ति*।
  - यह एक *हिंदू राजा के प्रति मुस्लिम सिपाही की निष्ठा* को दर्शाती है, जो आज के समय में *साम्प्रदायिक एकता* का आदर्श बन सकता है।
- **महत्वपूर्ण संदेश:**
  - "कर्तव्य के मार्ग पर चलने वाले सच्चे सैनिक जात-पात या धर्म नहीं देखते, वे सिर्फ़ *कर्तव्य* निभाते हैं।"

eGyanArchive

कक्षा प्रस्तुति के लिए सुझाव:

- कहानी को **भावनात्मक अंदाज़ में सुनाएँ**, जैसे आप स्वयं युद्ध का दृश्य देख रहे हों।
- यदि समूह प्रस्तुति हो, तो संवादों को *नाट्य रूप* में बाँटकर बोल सकते हैं।
- एक साथी **वृंदावनलाल वर्मा** का संक्षिप्त परिचय दे और कोई एक **मुख्य संवाद** पोस्टर पर भी लिख सकते हैं।

परियोजना

प्रश्न 1. 'कारतूस' एकांकी का मंचन अपने विद्यालय में कीजिए।

उत्तर:

छात्र स्वयं करें।

एकांकी: "कारतूस"

पात्र:

1. **मंगल पांडे** – एक साहसी भारतीय सिपाही
2. **कैप्टन** – ब्रिटिश अफसर
3. **जमादार** – मंगल का साथी
4. **सिपाही 1, सिपाही 2** – सहकर्मी
5. **कोतवाल** – गिरफ्तार करने वाला
6. **सूत्रधार** – आरंभ और समापन

(मंच पर हल्का प्रकाश, सूत्रधार आता है)

सूत्रधार:

1857 की क्रांति की चिनगारी भड़काने वाले उस सच्चे सिपाही की कहानी जो 'कारतूस' शब्द को बलिदान का प्रतीक बना गया। उस वीर का नाम था – मंगल पांडे।

(प्रसंग: छावनी का अहाता – सिपाही बैठे बात कर रहे हैं)

सिपाही 1:

भैया, सुना है नए कारतूस में गाय और सूअर की चर्बी लगी है।

सिपाही 2:

हाँ रे! इनको मुँह से काटना होता है। इससे तो हमारे धर्म का नाश होगा!

(मंगल पांडे प्रवेश करते हैं)

मंगल पांडे:

क्या कहा तुमने? क्या यह सच है?

सिपाही 1:

जी मंगल भैया, पूरे पलटन में यही चर्चा है।

मंगल पांडे (दृढ़ स्वर में):

यदि ये सच है, तो ये केवल हमारी आस्था पर हमला नहीं – यह गुलामी की बेड़ियाँ हैं।

(भीतर ही भीतर क्रोधित)

egyanarchive

(प्रसंग: प्रशिक्षण स्थल – ब्रिटिश अफसर आता है)

कैप्टन (अंग्रेजी उच्चारण में, हिंदी में अनुवाद):

मंगल पांडे, यह कारतूस लो – तुरंत अभ्यास करो।

मंगल पांडे (गंभीर):

मैं यह कारतूस नहीं लूँगा।

कैप्टन (चकित):

यह आदेश है!

मंगल पांडे (साहस से):

मुझे अपने ईश्वर और आत्मा की आज्ञा का पालन करना है, जनाब!

मैं धर्म से बड़ा कोई आदेश नहीं मानता।

कैप्टन (गुस्से में):

तुम बगावत कर रहे हो?

मंगल पांडे:

हाँ, अगर अन्याय के खिलाफ बोलना बगावत है, तो मैं बागी हूँ!

(प्रसंग: हथियार उठाना और विद्रोह)

(मंगल बंदूक उठाता है और एक अफसर पर गोली चलाता है – मंच पर हल्का प्रकाश और हलचल)

सिपाही 2:

मंगल भाई! आपने... गोली चला दी?

मंगल पांडे (आंखों में आग):

हाँ! अब समय है – *भारत को जगाने का!*

हम वर्षों से दबे हैं, अब नहीं!

(प्रसंग: गिरफ़्तारी और जेल)

कोतवाल (घोषणा करता है):

मंगल पांडे को गिरफ्तार किया गया है। राजद्रोह का अपराधी है वह!

जमादार (मंगल से मिलने आता है):

मंगल भाई, जान बचाने की कोशिश करो। क्षमा मांग लो।

मंगल पांडे (शांत स्वर में):

नहीं, जमादार। मैं क्षमा नहीं माँगूंगा।

यदि मरना पड़े, तो मैं हँसते-हँसते मरूँगा।

पर मेरी मौत किसी जागने वाले भारत की शुरुआत बनेगी।

(प्रसंग: फाँसी से पहले अंतिम क्षण)

(फाँसी का तख्ता। मंगल पांडे मंच के केंद्र में, आँखें बंद)

मंगल पांडे (स्वगत):

हे भारतमाता!

egyanarchive

मैं तुझ पर बलिहार!

तेरी आज़ादी की राह में मेरा यह जीवन अर्पित है।

(सूत्रधार का समापन)

सूत्रधार:

और इस प्रकार, मंगल पांडे ने *अपने प्राणों की आहुति* देकर आज़ादी की पहली चिंगारी जलायी। उनकी वीरता ने लाखों को झकझोरा, और भारत के इतिहास को नई दिशा दी।

मंच सज्जा और ध्वनि सुझाव:

- मंच पर तीन खंड हों: *छावनी*, *प्रशिक्षण मैदान*, और *जेल/फाँसी मंच*
- पृष्ठभूमि में हल्का ढोल या मृदंग
- अंतिम संवाद पर धीमा 'वंदे मातरम्' स्वर

प्रश्न 2. 'एकांकी' और 'नाटक' में क्या अंतर है? कुछ नाटकों और एकांकियों की सूची तैयार कीजिए।

उत्तर: एकांकी एक अंक का नाटक होता है, जिसमें दृश्य परिवर्तन नहीं होता। एकांकी में नाटककार अपने कथ्य को विस्तृत रूप से न कहकर संक्षिप्त रूप में प्रस्तुत करता है। इसका कलेवर लघु होता है, जबकि नाटक का स्वरूप विशाल होता है। नाटक एक ऐसी विधा है, जो वस्तुनिष्ठता की माँग करती है। नाटक केवल लिखा नहीं जाता, वह अभिनीत होकर दर्शकों से तादात्म्य स्थापित करने के बाद पूरा होता है।

नाटक

1. मृत्युंजय
2. अंधायुग
3. आषाढ़ का एक दिन
4. आधे-अधूरे
5. द्रौपदी
6. कविरा खड़ा बाज़ार में
7. एक और अजनबी

एकांकी

1. एक तोले की अफीम की कीमत
2. भोर का तारा
3. दस मिनट
4. स्वर्ग का कमरा
5. स्ट्राइक
6. लक्ष्मी का स्वागत
7. सूखी डाली
8. पहेली

egyanarchive